

असाधार्ग क्लाह्य GRDINARY

ţu,

भाग II—वरह 3—वप-वरह (U) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

## प्राधिकार से प्रकाशित PUELISHED BY AUTHORITY

सं. 457] नई विस्ली, सोमवार, सितस्बर 12, 1994/भाष्ट 21, 1916 No. 457] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 12, 1994/BHADRA 21, 1916

पैट्रोलियम श्रीर प्राकृतिक गैस मंत्रालय

## प्रधिसूचना

नई विल्ली, 12 सितम्बर, 1994

का.श्रा. 666(श्र):—तेल क्षेत्र (विनियमन तथा विकास) श्रिधिनियम, 1948 (1948 का 53) की धारा 6क की उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतब्द्वारा 01 श्रप्रैल, 1990 में ग्रारम्भ होने तथा 31 मार्च, 1993 को समाप्त होने वाली श्रवधि के लिये केसिंग हैड कर्न्डेन्सेट के संबंध में देय रायल्टी की दर में वृद्धि करती है श्रौर तदनुसार उक्त श्रिधिनियम की श्रनुसूची में श्रागे निम्नलिखित संशोधन करती है,

उक्त ग्रधिनियम की ग्रनुसूची में भद संख्या 2 तथा उससे मंबंधित प्रविष्टियों के लिये 01 भ्रप्रैल, 1990 को ग्रारम्भ होने तथा 31 मार्च, 1993 को समाप्त होने वाली ग्रविध के लिखे निम्निखित मद श्रीर उससे संबंधित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी श्रीर इसे प्रभावी तारीक्ष 01 श्रप्रैल, 1990 से प्रतिस्थापित किया हुआ समझा जायेगा :---

"2. कैंसिंग-हैड कन्डेन्सेट: 01 भ्रप्रैल, 1990 से श्रारम्भ होने तथा 31 मार्च, 1893 को समाप्त होने वाली भ्रवधि के लिये चार सौ इक्यासी रूपये प्रति मीट्रिक टन।"

ध्याख्या: चृकि केन्द्रीय सरकार द्वारा उक्त प्रयोजन के लिये गठित सिमिति के प्रतिबंदन की परीक्षा करने और संबंधित राज्य सरकारों से परामर्श करने प्राप्ति में कुछ समय लग गया, प्रतः रायल्टी की वर में भूतलक्षी प्रभावी तारीख से संगोधन करना प्रावश्यक हो गया है । तेल उत्पादक राज्यों को लाभ हो रहा है ग्रीर ग्रन्य राज्यों पर इसका प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ने वाला है।

[फाइल संश्या श्री-22013/3/91-श्री एन जी/डी-3(बाल्यूम 2)] नजीब जंग, संयुक्त सचिव

मोट:—रायल्टी की दरों के संबंध में ग्रनुसूची 1969 के श्रिधिनियम 39 के द्वारा जोड़ी नई थी ग्रौर रायल्टी की दर में पहली बार वृद्धि का.ग्रा.सं. 465 दिनांक 27 करवरी, 1973 के द्वारा की गई थी ग्रौर जिनमें बाद में निम्नलिखित संशोधन किये के :—

- (1) का. आ. 600(अ), दिनांक 08 सितम्बर, 1976
- (2) का. था. 219(अ), दिनांक 26 मार्च, 1981
- (3) का.ग्रा. 107(अ), दिनांक 18 फरवरी, 1991
- (4) का. आ. 91(अ), विनाक 05 फरवरी, 1993

## MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS NOTIFICATION

New Delhi, the 12th September, 1994

S.O. 666(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 6A of the Oilfields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948), the Central Government hereby enhances for the period beginning on the 1st day of April, 1990 and ending on the 31st day of March, 1993, the rate at which royalty shall be payable in respect of casing-head condensate and accordingly, makes the following further amendment in the Schedule to the said Act, namely:—

In the Schedule to the said Act, for item 2 and the entry relating thereto, the following item and entry for the period beginning on the 1st day of April, 1990

and ending on the 31st day of March, 1993, shall be substituted and shall be deemed to have been substituted with effect from the 1st day of April, namely:—

"2. Casing-head condensate: Rupecs four hundred and eighty—one per metric tonne for the period beginning on the 1st day of April, 1990 and ending on the 31st day of March, 1993."

EXPLANATORY NOTE: -- Since the examination of the report of the Committee constituted by the Central Government for the purpose and consultations with the concerned State Governments etc., took some time, it has become necessary to revise the rate of royalty with retrospective effect. The oil producing States stand to benefit and the other States are not to be adversely affected.

> [F. No. O-22013|3|91-ONG|D. III (Vol.II) NAJEEB JUNG, Jt. Secy.

Foot Note: - The Schedule in respect of rates of royalty was inserted vide Act No. 39 of 1969 and the rate of royalty was for the first time enhanced vide No. S.O. 465, dated the 27th February, 1973 and subsequently amended vide No. :-

- (1) S.O. 600(E), dated the 8th September, 1976.
- (2) S.O. 219(E), dated the 26th March, 1981.
- (3) S.O. 107(E), dated the 18th February, 1991.
- (4) S.O. 91(E), dated the 5th February, 1993.